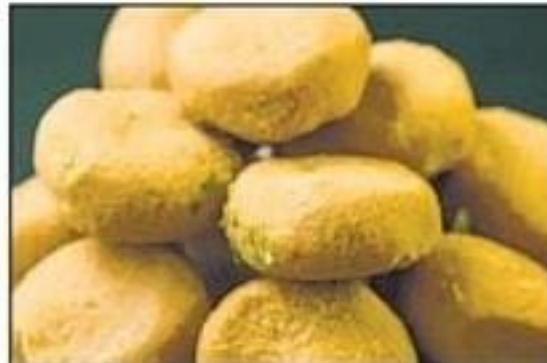


# खुर्जा की खुरचन-मथुरा के पेड़ की जीआई टैगिंग

## ■ अंजीत कुमार

लखनऊ। प्रदेश की विशिष्ट कृषि उपज व उससे तैयार उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग व अधिकतम लाभ दिलाने के उद्देश्य से यूपी के 20 कृषि उपज या उससे तैयार उत्पादों की जीआई टैगिंग की जाएगी। इसमें मथुरा का पेड़, खुर्जा (बुलन्दशहर) की खुरचन, सीतापुर की मूँगफली, मेरठ की गजक आदि शामिल हैं।

प्रदेश की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए उसका लाभ उसे तैयार करने वाले काश्तकारों को दिलाने के उद्देश्य से राज्य सरकार और नाबांड मिलकर कुल 20 उत्पादों का जीआई टैगिंग (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) कराने जा रहा है। इसमें 16 उत्पादों



का जीआई रजिस्ट्रेशन राज्य सरकार और चार की नाबांड की ओर से कराई जाएगी। अधिक से अधिक काश्तकारों को लाभ पहुंचे इस उद्देश्य से कृषि विषयन विभाग की ओर से प्रदेश के 91 कृषि एवं प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों को चिन्हित किया गया, जिनमें से फिलहाल 20 उत्पादों के जीआई पंजियन का निर्णय किया गया है। राज्य सरकार ने इस बारे में शासनादेश जारी कर दिया है।

## इन उत्पादों का जीआई टैगिंग करायेगी राज्य सरकार

जिले का नाम	उत्पादों का विवरण
मऊ	लौकिकहवा भांटा)
मथुरा	पेड़ा
बुलन्दशहर	खुर्जा का खुरचन
सीतापुर	मूँगफली
मेरठ	गजक
लखनऊ	रेवड़ी
रामपुर व बाराबंकी	मेथा
कानपुर नगर	लाल ज्यार

## क्या है जीआई टैगिंग

वर्ल्ड इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, जियोग्राफिकल इंडिकेशंस टैग एक प्रकार का लेबल होता है जिसमें किसी प्रोडक्ट को विशेष भौगोलिक पहचान दी जाती है।

## इन उत्पादों की जीआई टैगिंग करायेगा नाबांड

गोरखपुर	पनियाला
मऊ	गोठा भेली (गुड़)
आगरा	पेठा
बुन्देलखण्ड	देसी अरहर